

॥ ० ॥ ... विष्णु कर्म ... लघु कवच ... जय
 ... दम ... स ... ॥ लघु कवच ...
 ... देवी ... ॥ लघु कवच ...
 ... ॥ लघु कवच ...
 ... ॥ लघु कवच ...
 ... ॥ लघु कवच ...
 ... ॥ लघु कवच ...
 ... ॥ लघु कवच ...

2082 I

436
 940 nisa.
 astawia.

निष्कण्डं लग्नसूत्रं चतुर्थकं मालयानि सप्तम्यां न विवक्ष्यते ॥ १ ॥
नाइह हस्यति ॥ २ ॥ कुरु सवनसा लग्नसचतुर्थसं चानकाव डिम
सकृककृदिय ॥ ३ ॥ मीनशुक्रवधलग्न यस्मिन् सिधनं गतिं सु
रुद्रसूत्रं चतुर्थकं मालयानि सप्तम्यां न विवक्ष्यते ॥ ४ ॥ मितस लग्नस शु
क्रवधवधवतसा धनसूत्रं सचतुर्थकं मालयानि सप्तम्यां न विवक्ष्यते ॥ ५ ॥
नसा धनसूत्रं सचतुर्थकं मालयानि सप्तम्यां न विवक्ष्यते ॥ ६ ॥ लग्नजीवधनं गोवि न विवक्ष्यते

वधसूत्रं विवाधुर्वतसं सप्तम्यां विवक्ष्यते ॥ ७ ॥ लग्नसचतु
र्थसं चानकाव डिम सकृककृदिय ॥ ८ ॥ मीनशुक्रवधलग्न यस्मिन् सिधनं गतिं सु
रुद्रसूत्रं चतुर्थकं मालयानि सप्तम्यां न विवक्ष्यते ॥ ९ ॥ मितस लग्नस शु
क्रवधवधवतसा धनसूत्रं सचतुर्थकं मालयानि सप्तम्यां न विवक्ष्यते ॥ १० ॥
नसा धनसूत्रं सचतुर्थकं मालयानि सप्तम्यां न विवक्ष्यते ॥ ११ ॥ लग्नजीवधनं गोवि न विवक्ष्यते

५
जानसिसयत् १० ॥ लघु शुक्र बुधनाति नासि केच्छ वृहस्पति (द
मर्मगनकाताति सजाता किं कविष्यति ॥ ॥ लघुस शुक्र बुध
मदतदाव कलुस वृहस्पतिमदतदाव दधमसं अंगल मद
तदाव श्वर्ग वृहस्पतिमदतदाव ११ ॥ लघुतिस्फुर्निज दा
याय सफमकिं नगर्हति । इतनीमयते तस्य पुरुषायेन हीवति ॥
॥ लघुस यायशु रधानासी सफमस शुक्रगुरुमदतदाव

धया मासुर्नू सामनिमिन् निधधमावांसिय ॥ १२ ॥ अर्क (जे
नि कडा नाइ य अमसू न जदा तवत् । आसु नो येत नाजाता
मासु नका न जीवति ॥ ॥ आदिषा मेनि धन अंगन नाइ
धनं गुरु य अमसू नानदाव धनं धनं ववृ ददी सामां सि यि
व ॥ १३ ॥ लघुसू न जदा मेनि नियसू न ववृ ददी । कडा धमस
मसू न मयत्त दा क विता ॥ ॥ लघुस मानिधन नानसा निय

- मृगान्त च लक्ष्मी सा स फम स अंश नवानसा । धम्म वा वृक्ष नूव
वृक्षिय ॥ १७ ॥ लग्न स फम क जीव वृध क्व व गायिवा । गित स्थे
वधन लून न काना ज्ञान से सय ॥ ॥ लग्न स स फम स वृहस्य
ति चानेसा वृध आदि गं वन सा धन म्म न स व ल वन सा ना जा या त
उ (थं शय ॥ १८ ॥ न क र्हे ग रु बं डा गी द्वि लुं ग न्य प लु ल्य च । ति
रु (म लु रु वं ना जा रु (म हि ना नी धा ने व ॥ १९ ॥ न व स य च

स का जीव रु गु स फम क स थ ॥ वृध न ग्न स ता यू का म ग र्हे जीव
जा ग का ॥ १९ ॥ न व स य च म से वृहस्य निव न सा शु क स
फम स वन सा वृध ल ग्न स वन सा धर्म भावा गत द्वि दे म्वा
य ॥ २० ॥ लग्न पा य रु व भा यी इ व ली म कृ यि ति ता । रु व निवा
य यू उ स्थ रु व स य न ध ल ता ॥ ॥ लग्न स पा य रु व न न
स नी गी शय इ व ल शय म कृ न इ रु व वि य वा य पू रु द्वि य

शन भवनविठाविय ॥ १९ ॥ लग्नमेनिहुडमसु यमसुड
दिहुकनि । चरुधिविकचोन दिमासकुतलमले ॥ २० ॥
दादमसुनजदासुय सुनेल (गुषजायत) ॥ कलसुनसुनु
व दीघायजायतनन ॥ ॥ दादमसुआदित्यनानसा
ललग्नसवीनसा कलसवृहस्पतिवानसा धर्मभावान्वा
यु ॥ २१ ॥ गनुसुनजदासुय नाइदोउमुसकुव । तस्य

मागुनूठविठ पूरुदाषानदियत ॥ २१ ॥ सुदसुनजदा
सुय निपसुनजदासुनु । तस्यजागवसन्त्यासि स्वदीपख
व विठ ॥ ॥ सुदसुनस आदित्यनानसा निपसुनसवृ
हस्पतिवानसा धर्मसन्त्यासि शय थवहुमि खलुडिपनालगा
व यथिवीहिललपदय ॥ २२ ॥ गनुसुनजदासुनु धनसुन
वहस्यति । तस्यजागविनेकान पूरुपोशासुखरुवत ॥ ॥ गनु

स्नानसचलवानसा धनस्नानसचलस्यति वानसा धर्मताम्बाय काय
 चय आदिने दयु सखन धानिव ॥ २६ ॥ नियस्नानवधताम धन
 स्नानमनिश्चय मीयाएव रुवकान रुवानहस रुतामिनि ॥ २७
 ॥ जायास्नान जदनाह शुक्रनेरुचमैरुवत तस्य जागारुन
 मत्क मागातस्य न जीवति ॥ यायास्नाने स नाह्वानसा
 निगियस शुक्रवानसा धर्मभावांसिय मासंसिय ॥ २८ ॥
 वासुन

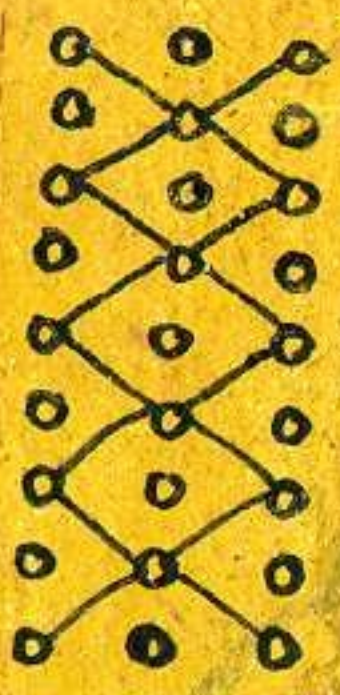
मत्क स्नानजडा कुरु लग्नस्नानजडा संभी तस्य जागारुव चीन वम
 नरुवेवमयत ॥ मत्क स्नानसकुरु वानसा लग्नसचलवान
 सा धर्मपूरुषु वधनस्य मत्केशय ॥ २९ ॥ कर्म स्नानजडा सु
 र्य धनस्नानवहस्यति तस्य जागारु वधन्या लक्ष्मीतर्षा तथा रुवत
 ॥ ३० ॥ धनस्नानगथा जीवे लग्नस्नानजडा कुरु तस्य जागारु
 वमत्क पूजानानदीयत ॥ ३१ ॥ वृत्तिल पूजातकसमा फ ॥ ३२ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



ॐ नमो	ॐ नमो	ॐ नमो
ॐ नमो	ॐ नमो	ॐ नमो
ॐ नमो	ॐ नमो	ॐ नमो
ॐ नमो	ॐ नमो	ॐ नमो

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो	ॐ नमो	ॐ नमो
ॐ नमो	ॐ नमो	ॐ नमो
ॐ नमो	ॐ नमो	ॐ नमो
ॐ नमो	ॐ नमो	ॐ नमो

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो	ॐ नमो	ॐ नमो
ॐ नमो	ॐ नमो	ॐ नमो
ॐ नमो	ॐ नमो	ॐ नमो
ॐ नमो	ॐ नमो	ॐ नमो

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो	ॐ नमो	ॐ नमो
ॐ नमो	ॐ नमो	ॐ नमो
ॐ नमो	ॐ नमो	ॐ नमो
ॐ नमो	ॐ नमो	ॐ नमो

अमि अमावासि
अमि महेले को सुमन

का १०

हियेव कोरणी
अमि य कोरणी
कोरणी

उर

कोरणी

मज

अमि अमि अमि
अमि अमि अमि
अमि अमि अमि

अमि अमि अमि
अमि अमि अमि
अमि अमि अमि

अमि अमि अमि
अमि अमि अमि
अमि अमि अमि

अमि

अमि अमि अमि
अमि अमि अमि
अमि अमि अमि

अमि अमि अमि
अमि अमि अमि
अमि अमि अमि

अमि अमि अमि
अमि अमि अमि
अमि अमि अमि

अमि

अमि

अमि अमि अमि
अमि अमि अमि
अमि अमि अमि

अमि अमि अमि
अमि अमि अमि
अमि अमि अमि

[illegible][illegible]

A 7x7 magic square with a decorative border, containing numbers in Devanagari script. The numbers are arranged in a grid, with some cells empty. The border is decorated with red and black patterns.

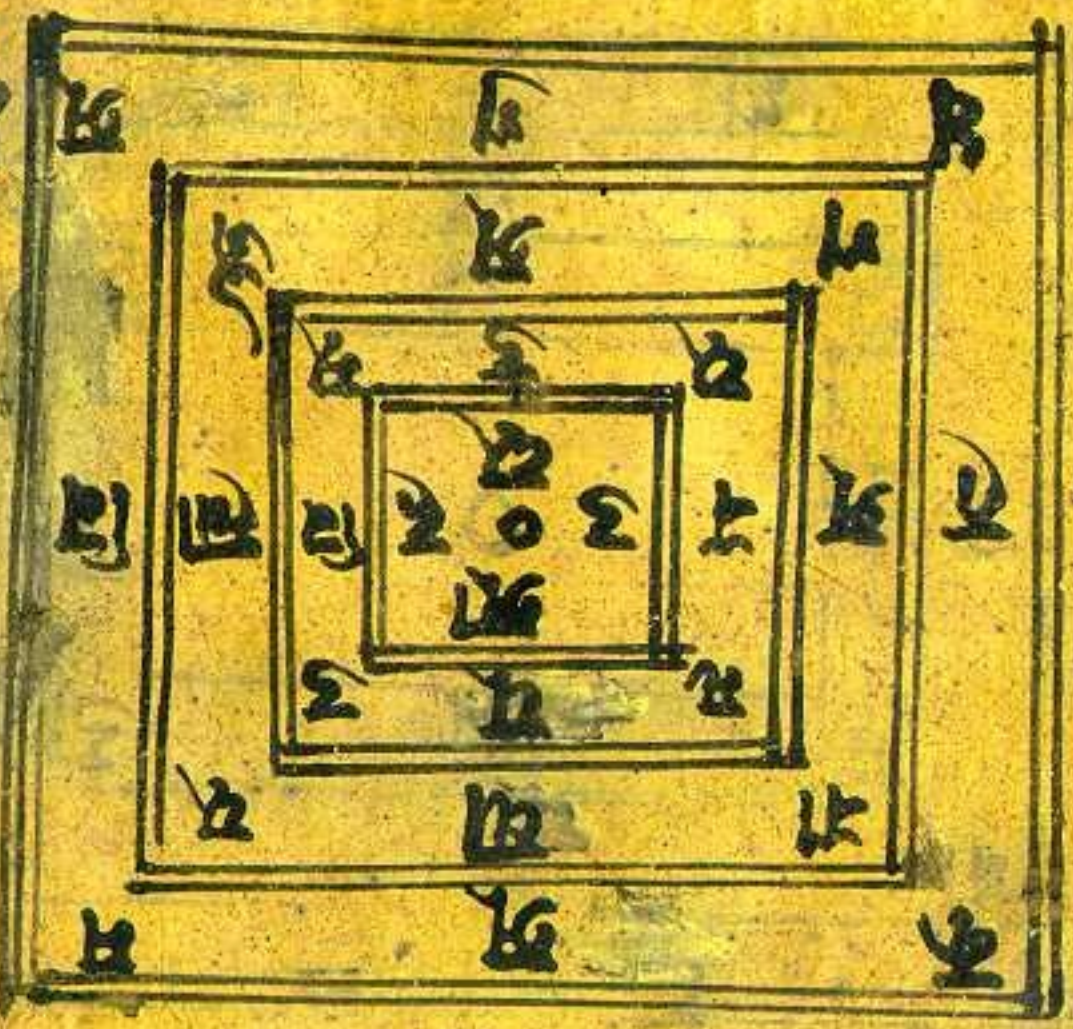
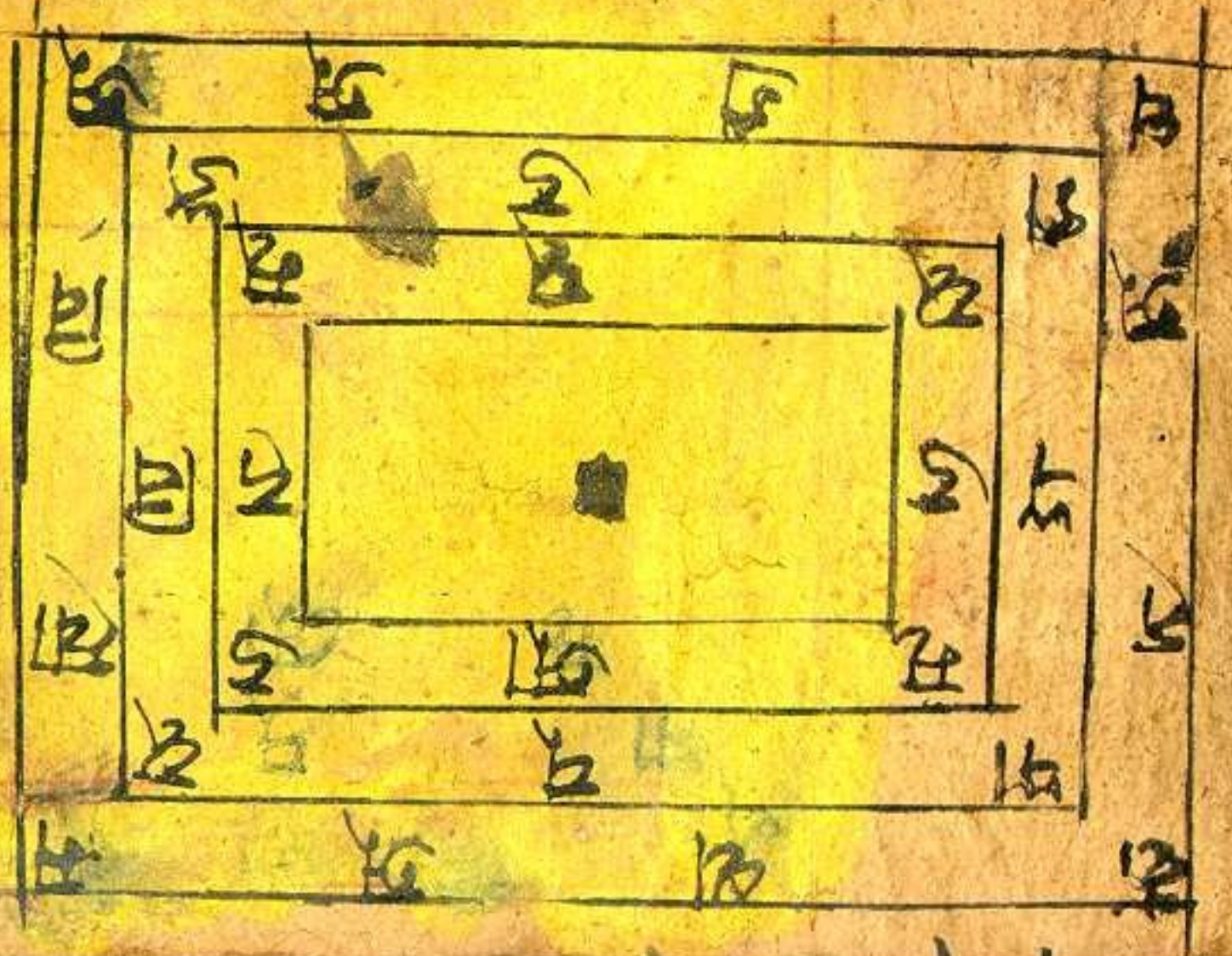
४	५	६	७	८	९	१०
११	१२	१३	१४	१५	१६	१७
१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१
३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८
३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५
४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२

[illegible]

[illegible]

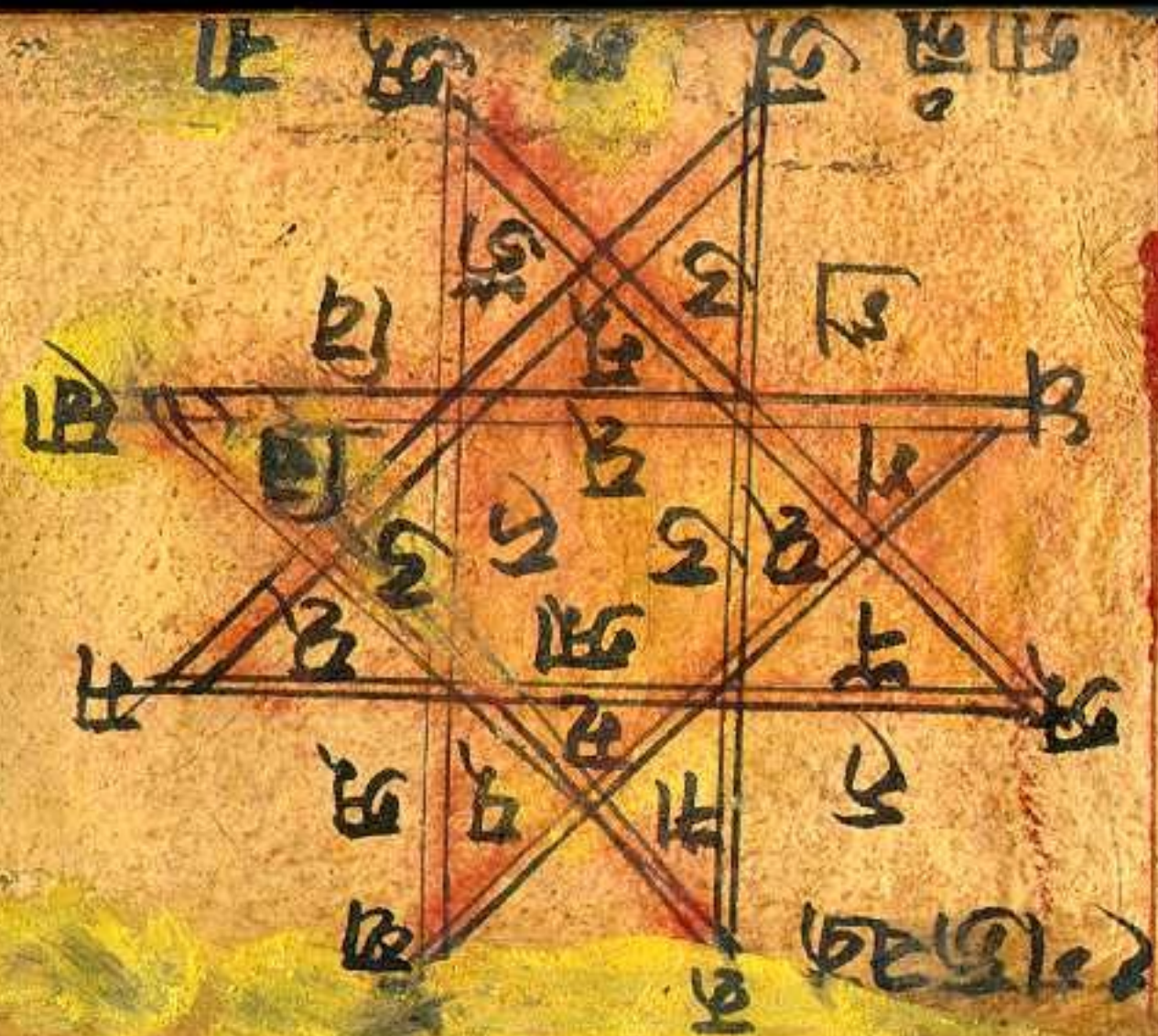
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अर्जुनस्य उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥
 धनुर्धरं तपनस्य हृत्पथं प्रविशतः ॥
 अर्जुनस्य उवाच ॥ दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो ॥
 पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् धनुर्धरं तपनस्य ॥
 हृत्पथं प्रविशतः अर्जुनस्य उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥
 धनुर्धरं तपनस्य हृत्पथं प्रविशतः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 धनविष्णु नमो निरुपमाय ॥

१ धनपिथ सहस्रसा... सहस्रक वयू...
 १ दक्षसपिथ सहस्रसा... सुनरीक
 पृथ्वीनिव ॥ धनदहवकहनी
 ॥



॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥
 ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥
 ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥

॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥
 ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥
 ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥
 ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥
 ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥
 ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥

८ ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८
 ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८
 ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८
 ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८
 ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८
 ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८

८ ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८
 ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८
 ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८
 ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८
 ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८
 ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतार्थं ॥ २ ॥
सर्वभूतसुखं कुरु सर्वभूतदुःखं ॥ ३ ॥
सर्वभूतसुखं कुरु सर्वभूतदुःखं ॥ ४ ॥
सर्वभूतसुखं कुरु सर्वभूतदुःखं ॥ ५ ॥
सर्वभूतसुखं कुरु सर्वभूतदुःखं ॥ ६ ॥
सर्वभूतसुखं कुरु सर्वभूतदुःखं ॥ ७ ॥
सर्वभूतसुखं कुरु सर्वभूतदुःखं ॥ ८ ॥
सर्वभूतसुखं कुरु सर्वभूतदुःखं ॥ ९ ॥
सर्वभूतसुखं कुरु सर्वभूतदुःखं ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतार्थं ॥ १२ ॥
सर्वभूतसुखं कुरु सर्वभूतदुःखं ॥ १३ ॥
सर्वभूतसुखं कुरु सर्वभूतदुःखं ॥ १४ ॥
सर्वभूतसुखं कुरु सर्वभूतदुःखं ॥ १५ ॥
सर्वभूतसुखं कुरु सर्वभूतदुःखं ॥ १६ ॥
सर्वभूतसुखं कुरु सर्वभूतदुःखं ॥ १७ ॥
सर्वभूतसुखं कुरु सर्वभूतदुःखं ॥ १८ ॥
सर्वभूतसुखं कुरु सर्वभूतदुःखं ॥ १९ ॥
सर्वभूतसुखं कुरु सर्वभूतदुःखं ॥ २० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 कृष्णार्पणं कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
 कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
 कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ श्री कृष्णाय नमः ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ श्री कृष्णाय नमः ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ श्री कृष्णाय नमः ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ श्री कृष्णाय नमः ॥

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical form of Hebrew or Aramaic. The text is arranged in approximately 10 lines across the top page. Some characters are written in red ink, possibly indicating initials or specific words. The script is dense and flowing, with many ligatures.

Small handwritten text or signature at the bottom right of the top page.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical form of Hebrew or Aramaic. The text is arranged in approximately 8 lines across the bottom page. Some characters are written in red ink, possibly indicating initials or specific words. The script is dense and flowing, with many ligatures.

ललितवचन सासुखे गीतपीये डलमकमल्लु काद्यन्म सुखे वरुनय
माहने कथानादि नलिखे साजनपीय मीनमतसुमर्थ शीलचल कनज
पत्रधनसायी श्रीसासाव निरिखे धूलि अलीकालगील वनवान्म सुख
नकासुख काकिजागी धर्मस्थ यरुतिरूप शुद्ध ध्वन तव ज्ञानसाव
हेन हाते लिनायिध्वि प्रगीतनकवागनाम ॥ ॐ ति क नालगुहलसमा
का ॥ १ ॥ हुनलसुखल ॥ अतमदेह निविहित चकार मन्दकमति

धनकयकन कसदर स्वदण्डवृष्ट वात (गुण) वागः प्रकृतिः कन्दनपीय
उच्चैर्देवतु अतिधर्मगील न्यायः तानी वाक्ययदुतल गुरुह नर सो
तन ह. पूनरु अतिधि वाक्कण देव हक कर्मगील मुन सवक सान्य
पुन पूर्ययवक दक्षिणदधी प्रचक वेविरुता अजकलन धववां
न उद्ध सान्द्राता पापवृद्धि सार्थयन पुनूषना अधर्मगील
सार्थ रुवति ॥ अतिहवनल गुरुल समाक ॥ १ ॥ विधि कल गुरु

ल ॥ मुन विगीर्ण दीर्घसनील काधिः मन्त्राग्नि वील माहधुवि पन
अनलीका थूलकन कवर्णवृष्ट दीर्घकुकुटि गमोन उदल सधा
अधुना नासिक कलपनविलम्बका पुणवहन मिल (गुण) वागः क
तिऊन वरुल मुनूद्वि मिगुधुवि पन मुन वलाको यनकीउति
कनरु कदूकवदन नाडसवक धर्मवृद्धि दयावक कयन ॥ अति
विधि कल गुरुल समाक ॥ ८ ॥ धनूल गुरुल ॥ विपुनादल दीर्घमु

लसकक रुच्यपीयकाविश्वेय्य वलयकापि रुच्यशील काकनासि
क पृथ्वीतनख लङ्गाशील मूलद्वय मूत्रादल मनुष्मसु
रु आत्मपुसंसि काधि मन्दाशी वील क्वातियधन हुरुहनु
युद्धील वशालमिठ कलवन्ध काद्यादि नाकर्म कर्मन
कमल सकल देता लाठ पिय सुन्दल मुखवदुवाग
धनपाकि नाड सवक जातिधर्मनत धनलग्रहल समाफा ७० ॥ सक

ललग्रहल ॥ दुर्वलदह रुच्यशील रुच्यकलवदन वागवा गपीजा
उच्चपीयनासिका अल्पवत कृष्णनरु वागयक पादमूल जातिव
वहाल बुधनहित पियासित निवृत्तमतमति पर्वत अनल्लभ
मतल गलियादिक मर्म ॥ गीत मृदंगमदि रूपदुवुद्धि कय
न वचन धर्माधर्मनत इङ्गन मनुसाताव दर्शनीया ना
उसवक ७० ॥ निसकल लग्रहल समाफा ७० ॥ कुरुलग्रहल

नीचवैवहा नि श्लातिषूतीच विविगनासिक निलका काष्ठी
गुरुवत्य अदिफदह यनस्त्रीवगा कलरु अरुनुचि हा
नजातिस्त्री यनडप काले कयन धनहा नि गुननिन्दक
कललसु समाक ॥ ११ ॥ मीनल गुरुल ॥ अर्थवत कल्लेगना
सिक उच्चैद्वय सक्तुं पदुं नादल कोलिमाने कतिन
विकटवदन लेवाधन मस्यमोता दिष्टीय दया सिन सत्य

वादि विविगनासिक ककमनेत मफुल्ल धैर्ज वलशक न
लेकि वैग्यास्त्री दाताल ॥ ०० ॥ तिमितल गुरुल समाक ॥ १२ ॥
शुरु ॥ ० ॥ कलिकामयमेगादी पर्वदति पायधिमा डल्लिना
नाधनशादी सफसफयकीलिगा ॥ १ ॥ वायूवायुयमाकाका यमदलुन
लेयथर ॥ यतवेवल्लेययिवा जाणकालेचमृत्कदा ॥ २ ॥ यमदलु
यनिघनेक ॥ ॥ अग्निमानाद्वयामध पालिद्यति सुनियामत

[illegible]

ना ॥ ॐ तिहा ना च क उ रा उ रु रु ल म य श ना ॥ ॥ काल हा ना स च क उ
म ट व ॥ ॥ ज ल म ज म रु व इ इ र व स म य त स च स म य त वि य त क उ
ना सा य क म रु मा उ व र व क व रि न उ उ रु वि श्या न ॥ सा ध न स च सा ध न नि
ध न उ नि ध न वि श्या न मि नु रु मि न क र थ प न म मि न य न स र व ॥ ॐ तिहा
ला ह ल ॥ ७ ॥ द न दा ष व (क रु नि) ग र दा ष रु रु रु रु थ ॥ ग र रु म थ
ष रु म रु रु रु ल न म व रु रु रु रु रु ॥ ॥

[illegible][illegible]

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
॥ गुरुभ्यो नमः ॥
॥ शिष्याय नमः ॥
॥ ब्रह्माय नमः ॥
॥ विष्णवे नमः ॥
॥ महेश्वराय नमः ॥
॥ इति नमस्तस्मै ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

፪፻፲፱ ሐይለማርያም ሐይለማርያም ሐይለማርያም ሐይለማርያም

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ भद्रं कर्णेभिः शृणुयाम् ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

2161 2241 2321 2401 2481 2561 2641 2721 2801 2881 2961 3041 3121 3201 3281 3361 3441 3521 3601 3681 3761 3841 3921 4001 4081 4161 4241 4321 4401 4481 4561 4641 4721 4801 4881 4961 5041 5121 5201 5281 5361 5441 5521 5601 5681 5761 5841 5921 6001 6081 6161 6241 6321 6401 6481 6561 6641 6721 6801 6881 6961 7041 7121 7201 7281 7361 7441 7521 7601 7681 7761 7841 7921 8001 8081 8161 8241 8321 8401 8481 8561 8641 8721 8801 8881 8961 9041 9121 9201 9281 9361 9441 9521 9601 9681 9761 9841 9921 10001

וְהָיָה כִּי יִשְׁמַע ה' אֶת הַקּוֹל וְהָיָה כִּי יִשְׁמַע ה' אֶת הַקּוֹל

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039 1040 1041 1042 1043 1044 10

11 22 23 24 25 26 27 28 29 30

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

11854 D E P.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

५३६७८९१०१११२॥१३१४

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सायकैव विवागमसमाय

[illegible]

5211

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते
 श्रीगणेशाय नमः
 ॐ ह्रीं क्लीं
 ॐ नमो भगवते
 श्रीगणेशाय नमः
 ॐ ह्रीं क्लीं
 ॐ नमो भगवते
 श्रीगणेशाय नमः
 ॐ ह्रीं क्लीं

[illegible]

8 אב
 11 אב
 13 אב
 15 אב
 17 אב
 19 אב
 21 אב
 23 אב
 25 אב
 27 אב
 29 אב
 31 אב
 33 אב
 35 אב
 37 אב
 39 אב
 41 אב
 43 אב
 45 אב
 47 אב
 49 אב
 51 אב
 53 אב
 55 אב
 57 אב
 59 אב
 61 אב
 63 אב
 65 אב
 67 אב
 69 אב
 71 אב
 73 אב
 75 אב
 77 אב
 79 אב
 81 אב
 83 אב
 85 אב
 87 אב
 89 אב
 91 אב
 93 אב
 95 אב
 97 אב
 99 אב
 101 אב
 103 אב
 105 אב
 107 אב
 109 אב
 111 אב
 113 אב
 115 אב
 117 אב
 119 אב
 121 אב
 123 אב
 125 אב
 127 אב
 129 אב
 131 אב
 133 אב
 135 אב
 137 אב
 139 אב
 141 אב
 143 אב
 145 אב
 147 אב
 149 אב
 151 אב
 153 אב
 155 אב
 157 אב
 159 אב
 161 אב
 163 אב
 165 אב
 167 אב
 169 אב
 171 אב
 173 אב
 175 אב
 177 אב
 179 אב
 181 אב
 183 אב
 185 אב
 187 אב
 189 אב
 191 אב
 193 אב
 195 אב
 197 אב
 199 אב
 201 אב
 203 אב
 205 אב
 207 אב
 209 אב
 211 אב
 213 אב
 215 אב
 217 אב
 219 אב
 221 אב
 223 אב
 225 אב
 227 אב
 229 אב
 231 אב
 233 אב
 235 אב
 237 אב
 239 אב
 241 אב
 243 אב
 245 אב
 247 אב
 249 אב
 251 אב
 253 אב
 255 אב
 257 אב
 259 אב
 261 אב
 263 אב
 265 אב
 267 אב
 269 אב
 271 אב
 273 אב
 275 אב
 277 אב
 279 אב
 281 אב
 283 אב
 285 אב
 287 אב
 289 אב
 291 אב
 293 אב
 295 אב
 297 אב
 299 אב
 301 אב
 303 אב
 305 אב
 307 אב
 309 אב
 311 אב
 313 אב
 315 אב
 317 אב
 319 אב
 321 אב
 323 אב
 325 אב
 327 אב
 329 אב
 331 אב
 333 אב
 335 אב
 337 אב
 339 אב
 341 אב
 343 אב
 345 אב
 347 אב
 349 אב
 351 אב
 353 אב
 355 אב
 357 אב
 359 אב
 361 אב
 363 אב
 365 אב
 367 אב
 369 אב
 371 אב
 373 אב
 375 אב
 377 אב
 379 אב
 381 אב
 383 אב
 385 אב
 387 אב
 389 אב
 391 אב
 393 אב
 395 אב
 397 אב
 399 אב
 401 אב
 403 אב
 405 אב
 407 אב
 409 אב
 411 אב
 413 אב
 415 אב
 417 אב
 419 אב
 421 אב
 423 אב
 425 אב
 427 אב
 429 אב
 431 אב
 433 אב
 435 אב
 437 אב
 439 אב
 441 אב
 443 אב
 445 אב
 447 אב
 449 אב
 451 אב
 453 אב
 455 אב
 457 אב
 459 אב
 461 אב
 463 אב
 465 אב
 467 אב
 469 אב
 471 אב
 473 אב
 475 אב
 477 אב
 479 אב
 481 אב
 483 אב
 485 אב
 487 אב
 489 אב
 491 אב
 493 אב
 495 אב
 497 אב
 499 אב
 501 אב
 503 אב
 505 אב
 507 אב
 509 אב
 511 אב
 513 אב
 515 אב
 517 אב
 519 אב
 521 אב
 523 אב
 525 אב
 527 אב
 529 אב
 531 אב
 533 אב
 535 אב
 537 אב
 539 אב
 541 אב
 543 אב
 545 אב
 547 אב
 549 אב
 551 אב
 553 אב
 555 אב
 557 אב
 559 אב
 561 אב
 563 אב
 565 אב
 567 אב
 569 אב
 571 אב
 573 אב
 575 אב
 577 אב
 579 אב
 581 אב
 583 אב
 585 אב
 587 אב
 589 אב
 591 אב
 593 אב
 595 אב
 597 אב
 599 אב
 601 אב
 603 אב
 605 אב
 607 אב
 609 אב
 611 אב
 613 אב
 615 אב
 617 אב
 619 אב
 621 אב
 623 אב
 625 אב
 627 אב
 629 אב
 631 אב
 633 אב
 635 אב
 637 אב
 639 אב
 641 אב
 643 אב
 645 אב
 647 אב
 649 אב
 651 אב
 653 אב
 655 אב
 657 אב
 659 אב
 661 אב
 663 אב
 665 אב
 667 אב
 669 אב
 671 אב
 673 אב
 675 אב
 677 אב
 679 אב
 681 אב
 683 אב
 685 אב
 687 אב
 689 אב
 691 אב
 693 אב
 695 אב
 697 אב
 699 אב
 701 אב
 703 אב
 705 אב
 707 אב
 709 אב
 711 אב
 713 אב
 715 אב
 717 אב
 719 אב
 721 אב
 723 אב
 725 אב
 727 אב
 729 אב
 731 אב
 733 אב
 735 אב
 737 אב
 739 אב
 741 אב
 743 אב
 745 אב
 747 אב
 749 אב
 751 אב
 753 אב
 755 אב
 757 אב
 759 אב
 761 אב
 763 אב
 765 אב
 767 אב
 769 אב
 771 אב
 773 אב
 775 אב
 777 אב
 779 אב
 781 אב
 783 אב
 785 אב
 787 אב
 789 אב
 791 אב
 793 אב
 795 אב
 797 אב
 799 אב
 801 אב
 803 אב
 805 אב
 807 אב
 809 אב
 811 אב
 813 אב
 815 אב
 817 אב
 819 אב
 821 אב
 823 אב
 825 אב
 827 אב
 829 אב
 831 אב
 833 אב
 835 אב

ॐ नमो भगवते
 वासुदेवाय ॥
 ॐ ह्रीं क्लीं
 ॐ नमो भगवते
 वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते
 वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते
 वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते
 वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ २ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ ३ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ ४ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ ५ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ ६ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ ७ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ ८ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ ९ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ २ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ ३ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ ४ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ ५ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ ६ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ ७ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ ८ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ ९ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ १० ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

A diagram of a stylized, symmetrical, flame-like or cloud-like shape, possibly representing a decorative element or a symbol. It features a central vertical axis and a horizontal axis, with multiple curved lines and small circular dots along the edges. The shape is rendered in red and black ink on a yellowish background.

सूत्र १००

१ श्रीराम सायनम ॥ निर्वर्णिव कर्तव्यं नित्यं निवासान्तिथारु सं
 सिद्धमाश्रित्य नाल उवाच मामि सदा निर्वं साध्व कं नित्यं नष्ट
 दुःखं सकंथा सख्यं नष्टं ॥

२ यथाहोमवृथावसुधा लोनीष दीपनं धनं ४ महिना महीना साय ४ ॥

३	७	३	७	३	७	३	७	३	७
३	७	३	७	३	७	३	७	३	७
३	७	३	७	३	७	३	७	३	७
३	७	३	७	३	७	३	७	३	७

आनन्दि

१॥ उं नमः शिवाय ॥ श्रीमहासुमिया ॥ अष्टलिङ्गक ॥ यतिपदायाः पुनमः ॥
शुभना धनियान् तं शुभीही ॥ जस्य पीरुपताका श्रीखल धूप तं दक्षिणा क
मूल्यपूर्य कीनयसने वय ॥ १ ॥ द्वितीयायाः पापदमध तायतास्य सतपता
का ही दक्षिणदक्ष जंगला शतपाण चम्य स्नान पूवाकजा पूवावीदि डाहाय
क्षिण कयूनधूप ॥ २ ॥ तृतीयायाः कनस नकपताका नावामदक्ष ज
नमध सशमास शुनापाण यातुलियूर्य यावकजा न वय मगवृदि कमुः
नीधूप यावदक्षिणा ॥ ३ ॥ चतुर्थिया मगमास मलिस्नान कनस पिर्

पताका दक्षिणायाध कीनजाने वय कलुलि वीदि अष्टलिधूप नावर्त
दक्षिणा दूपाण ॥ ४ ॥ पञ्चमीया चतामध शुभमास जितशालस्नान
पादयसजा मासवीदि नूपकजनधूप कंजिपाण कनवलसे नकपताका
शुना वामयाध मतिदक्षिणा ॥ ५ ॥ षष्ठमिया तीनपृष्ठ मर्क नूपसा
न शुजायस कलातवीदि उतिपाण शील धूप क्षलस विविगुपताका वा
मदक्ष जवशानासदक्षिणा ॥ ६ ॥ सप्तमीया यतिमध हीना न
धीलपाण स्वातवीदि नालिदस नकपताका क्रिय ईला कयान मिऊल

दक्षिणा अथ सजा अतिरूपं मुंमुनधूपं ॥ १ ॥ अस्ममीया स्वना
 मध दूला दूयाग वदमलिस्नान धनियसजा गकावी हि तायूसा न
 सदनासधूप स्वात् सतपताका दूला क्रिय स्ववद रुष्टला पाग नकतलुने
 वीदि रुटिक दक्षिणा ॥ ८ ॥ नवमिया चतामध कंचना कीलयाम
 छलापाग नकतलुने वीदि मदादि नानाधूप विविधयूर्य मलुगीम रुतस
 लाठ लदवा अथ समुवर्त दक्षिणा ॥ ९ ॥ दशमिया यक्षिणहान प
 जा ॥ १० ॥ स्मृ ॥ यादवीनवमीयीयारुगवती सारन्यमाला धिता ॥ धनि

यसन्नामिवा दक्षिणमु निष्ठुमूयवलिन सानन्दय दम् ॥ ८ ॥ तान्दवीस
 तर्तनमामिनिनसा सर्वार्थ सिद्धि युदा ॥ ॥ नवमि मुति ॥ ७ ॥
 न्ति मदनिकिया विधिसमाफ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ७ ॥
 १ अथवर्ष ॥ १ ॥ निषट्गकाद अलोम अलोमकनवप अम ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
 न्द ॥ सजीववर्षाद ॥ १ ॥ ॥ लग्नाधियारुवनीच नीचवन्द्याधियारुवत
 ॥ दार्ष्टिगतारुव अलग्न तस्य मृत्क नसंसय ॥ २ ॥ ॥ स्वकुरुदशमजीव कन्या
 वलुवतुर्थक ॥ अथ विंशतियागन मृत्क लवनसंसय ॥ ३ ॥ ॥ लग्नाधियति

(ख) ल (ग्र) भावल वजित । स्याद्वा णिंशतिमवर्षं मृत्फलं वनसं सय ॥ ७ ॥
 आवा निधनयश्च निरुधका कृष्य कामृत्फलं लग्नार्णिशस्य पतिश्च विनाका न
 नमृत्फलदा ॥ ७ ॥ लग्नधियति ल (ख) लग्रभा कर्मना धनी । स्या पति कलि
 तामृत्फलं षट् णिंशथागनाहवति ॥ ८ ॥ लग्नधियति ल (ख) लाश्वधिय
 पति दीन (ग) हस्वनगला कलवा द्युन । वालयथागठा धार्य ॥ ९ ॥ ॥ ८ ॥
 नूल (ग्र) नसं पायी । सफमजदिशायव । सनामका द (ग) ल (ग्र) मृत्तिल्यवर्षजीव
 ती ॥ ८ ॥ ॥ कुं नदृश्यते च लु । अदिष क्काष्ट भातवत् । कदावर्षमर्त जीव न

आवा निधनयश्च नि तथा काठुप आमृत्क रलगार्णिगस्य पतिश्च विगकात्र

ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ ॥ लग्नप्रविपतिल (ध्रु) लग्नसा कर्मनाधनी ॥ सापुतिकलि

तामृत्युः षट्त्रिंशत् आगनात्तवति ॥ ५ ॥ लग्नाधिपतिः त्रिंशत् लग्नाधिपतिः

पति दीनलभस्व नगला जलवा सुन चालयथा गठाक्षरं ॥ ३

वृत्त (ग्रनसंयाफे) सफमजदिहायवे । सनाभकाद/लल (ग्र) अलित्यावषे जी व

ती॥ ८ ॥ ॥ कुं न दृष्टं च लु । अदि स क्षा स भूत वत् । कदा वष मत्त जीव न

ना जात न संसृतः ॥ ७ ॥ सामस्वर्थवानादू जनिवाङ्मयिष्यश्चमदिभिः
यापुत्रिनीतस्य यथमाश्वगृणीनी ॥ १० ॥ न व पथजनीता म कुरुत्यापा
यमावल्लह मातरुक्ति पितारुक्ति सा र्योरुक्ति सहायलह ॥ ११ ॥ नाद्रुजन्म
गताहर्यचकनर्ह सोलाग्मानकर्य विरुमुमुमहामूर्खे नृपतर्य चार्थ कर्य
पच्छति संघाटकनर्ह च विरुमधिकी शीर्षं विनासं नृणां कतागरुत्तमवला
सिषूवदननासकिनासकि गम्भीरदयः ॥ १२ ॥ ॐ ति गर्यलाम् लोष हाषितै
वर्षरुते समाफः ॥ ७ ॥ उरु ॥ ७ ॥ —३३—

यापुत्रिनीतस्य यथमाश्वपूषीनी ॥ १० ॥ नवपथज्ञानीताम कुरुत्यापा

यमाचलतः माताहन्ति पिताहन्ति सा-श्वहन्ति सखादलतः ॥ ११ ॥ नादू जन्म

गतात्तर्यचक्रहं सोलागमानकर्यं । विरुमुमुमहामंखी नृपतयवाधकय

पञ्चति सस्यारकनरुचविरुमधिकी शीर्षविनासंनृणां कतातुरुतभवला

सिष्वदन्तासन्तिनासन्तिगन्तदयः॥ १२ ॥ ॐ तिगर्गलाम्पूलाषिते

वर्षरुतसमायुक्तः ॥ ७ ॥ उह ॥ ७ ॥ ————

१ अथ नक्तु पासन ॥ अथ विनक्तु या चानसदृश ॥ १ ॥ हनू विनक्तु या
सामल ॥ २ ॥ कर्लिक या धन्रियासन ॥ ३ ॥ नाहिली या धन्रियासन ॥ ४ ॥
मृगशीर या चूसाना यासन ॥ ५ ॥ अदा या नृधिर यासन ॥ ६ ॥ यन
वसु या माधे यासन ॥ ७ ॥ पृष्य या धन्र दृश यासन ॥ ८ ॥ अः
ध्रुव या जगल ना यासन ॥ ९ ॥ मघ या साविता जन यासन ॥ १० ॥ पूर्व रु
लुगिया आ माधे यासन ॥ ११ ॥ उरु रु लुगिया साग यासन ॥ १२ ॥ ह
सु या धीर्यं उरु रु ॥ सा जन यासन ॥ १३ ॥ विरु या सा जन यासन ॥ १४ ॥

१५ ॥ विभाष या सा जन ॥ १६ ॥ अनू नाट या
धन्र दर्शना ॥ १७ ॥ ऊरु या उग्रा दक यासन ॥ १८ ॥ मूल या धन यासन ॥
१९ ॥ पूर्व षाट या जल यासन ॥ २० ॥ उरु षाट या दृश यासन ॥ २१ ॥
शुन या धन्र साधन यासन ॥ २२ ॥ धन्र या साविता जन यासन ॥ २३ ॥ सतः
हिष या साविता जन यासन ॥ २४ ॥ पूर्व रु द या पैलु खान यासन ॥ २५ ॥ उः
रु रु द या रुत यासन ॥ २६ ॥ नवती या मृग यासन ॥ २७ ॥ ॐ विनक्तु
या यासन समाप्त ॥ २८ ॥ अथ तिथि या यासन ॥ यति यदा अक्क रुत ॥ १ ॥

द्वितीया तत्रुल यासन ॥ २ ॥ हतीयाया नका ॥ ३ ॥ वडथी उठ
 ॥ ५ ॥ पक्षमिलेख ॥ ६ ॥ षष्ठ्या काशनादक ॥ ७ ॥ सप्तमिया
 कसि ॥ ८ ॥ अस्तमिया कसुनि ॥ ९ ॥ नवमिया मृग ॥ १० ॥ दशमिया
 मृग ॥ ११ ॥ एकादशीयार्तिका ॥ १२ ॥ द्वादशीया तथा दशीया दामल ॥
 वडदशीया पृवाकजा ॥ १३ ॥ पूर्वमीया कसुनि ॥ १४ ॥ तिथिपास
 नसमाफ ॥ १५ ॥ अथ हनिवासरुल ॥ अथा कानि तपः कृष् मिश्रवत्तत्रव
 ती वद्वालनसंशर्क हनिवासश्च उच्यते ॥ संगभाषिन कर्तव्यं द्वादशी द्वादशी

हलन्तः आगति आगशकश्च वातात्म्या मृत स्य च ॥ सातिथि मृत्युमातुल वाग्म्या
 हनिवास्तन ॥ ॥ आषाढमास रादयदमास ४ कार्तिकमास धस्वनाया
 शुक्रयन्त्र द्वादशीकृष् अन्नार श्रवत्तत्रवती धस्वन्नानक्षत्रसु कृतायाय
 शत्रा ॥ थवद्वालनाय शत्रा ॥ ४ ॥ थतिथिनक्षत्र वालसं आगनातकाव हनिवा
 सनाकशत्रा ॥ ॥ ॐ ति हनिवा सरुल सवति ॥ ७ ॥ ॥ ॥ ॥
 कृष् पूर्वमीसं कान्ता डरीपकचतुर्दशी अस्तमि शुक्र कषूच द्वादशी शुक्र
 वच ॥ अस्तपर्वविज्ञानियात्मानदानविधियत ॥ ॥ अस्तपर्वस्य धर्तः